सत्यमेव जयते

Rajbhawan Uttarakhand-Information Wing
Press Note-1

Report on participation of women in universities presented to Governor

Raj Bhawan,Dehradun, 10th January, 2018

In the university system of Uttarakhand, female participation is 25 percent. Female research scholars are 16 percent and Female faculty is 9 per cent.

This has been revealed by a report presented by UCOST DG Dr. Rajendra Dobhal to Governor Dr.K.K.Paul at Raj Bhawan today. The report is about the participation of women in science and technology in universities of six states of north India. A comparative study has also been done in this report on state government, private and central universities in Uttarakhand. The Governor appreciated the efforts of Dr. Dobhal and his team and said that the report will help in decision taking to remove the gender gap in the scientific and technical education in higher education.

According to the report, in Uttarakhand, as compared to the private universities and central universities, the state government universities have most participation of women. There are more women Ph.D scholars and faculty members in state government universities.

In state government universities in Uttarakhand, there are 20.98 percent female faculty while in private universities, the percentage is 16 percent. In state universities, female research scholars are 18 percent while in central university in Uttarakhand, there are 11 percent female Ph.D scholars.

It may be recalled here that the Governor Dr.K.K.Paul, has been focusing on encouraging science education in universities and improving research standards. He has stressed upon carrying out a survey on how many women students are part of science and technology education.

--------0-------

Assistant Director , Rajbhawan Uttarakhand Mob. 7055007012 Tele fax: 0135 - 2756172

- **''विश्वविद्यालयों में विज्ञान–तकनीकी में महिलाओं की सहभागिता'' पर रिपोर्ट राज्यपाल को प्रस्तुत की गई।**
- **यूकॉस्ट के महानिदेशक डॉ. राजेंद्र डोभाल ने सौंपी रिपोर्ट।**

राजभवन देहरादून 10 जनवरी, 2018

उत्तराखण्ड में स्थित निजी व केंद्रीय विश्वविद्यालय की तुलना में राज्य विश्वविद्यालयों में महिला सहभागिता अधिक है। बुधवार को यूकॉस्ट के महानिदेशक डॉ. राजेंद्र डोभाल ने राज्यपाल डॉ. कृष्ण कांत पाल से भेंट कर उन्हें ''उत्तर भारत के छः राज्यों के विश्वविद्यालयों में विज्ञान व तकनीकी में महिलाओं की सहभागिता'' पर अध्ययन रिपोर्ट प्रस्तुत की। राज्यपाल ने डॉ. डोभाल व उनकी टीम द्वारा किए गए प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस रिपोर्ट से उत्तर भारत के राज्यों में विज्ञान व तकनीकी के क्षेत्र में महिलाओं की स्थिति के बारे में पता चलता है। इससे उच्च शिक्षा विशेष तौर पर विज्ञान व तकनीकी में जेंडर गैप को दूर करने के लिए आवश्यक निर्णय लेने में सहायता मिलेगी।

अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखण्ड के विश्वविद्यालय सिस्टम में 25 प्रतिशत महिला सहभागिता है। महिला रिसर्च स्कॉलर 16 प्रतिशत हैं जबकि महिला फेकल्टी 9 प्रतिशत हैं। इसमें उत्तराखण्ड में स्थित राज्य विश्वविद्यालयों, निजी विश्वविद्यालयों, केंद्रीय विश्वविद्यालय का तुलनात्मक अध्ययन भी किया गया। इसमें पाया गया कि उत्तराखण्ड में स्थित निजी व केंद्रीय विश्वविद्यालय की तुलना में राज्य विश्वविद्यालयों में महिला सहभागिता सर्वाधिक है। उत्तराखण्ड के राज्य विश्वविद्यालयों में महिला फेकल्टी व महिला पी.एच.डी, निजी व केंद्रीय विश्वविद्यालय से अधिक है। राज्य विश्वविद्यालयों में महिला फेकल्टी 20.98 प्रतिशत है जबकि निजी विश्वविद्यालयों में 16 प्रतिशत है। राज्य विश्वविद्यालयों में 18 प्रतिशत महिला पी.एच.डी. हैं जबकि उत्तराखण्ड में स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय में 11 प्रतिशत महिला पी.एच.डी. हैं।

गौरतलब है कि राज्य के विश्वविद्यालयों में विज्ञान की शिक्षा को प्रोत्साहित करने पर राज्यपाल डॉ. कृष्ण कांत पाल का विशेष फोकस रहा है। नियमित रूप से होने वाली कुलपतियों की बैठक में उनके द्वारा विज्ञान व तकनीकी शिक्षा और रिसर्च के स्तर को सुधारने के साथ ही छात्राओं को विज्ञान विषय के अध्ययन के लिए प्रेरित किए जाने के लिए निर्देशित किया जाता रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय सिस्टम में महिला सहभागिता व विज्ञान विषय में छात्राओं की वस्तुस्थिति का सर्वे किए जाने की आवश्यकता पर भी बल दिया था।

----0----

Assistant Director , Rajbhawan Uttarakhand Mob. 7055007012 Tele fax: 0135 - 2756172